

अभियुक्त का नाम 2016

अभियुक्त के सम्बन्धित सम्पत्ति का विवरण वर्ष 2016-17
 1. अधिकारी/कर्मचारी का पुरा नाम श्री. सुभाष शर्मा 2. वर्तमान धारित पद वरिष्ठ प.प्र. प्रम. 3. कार्यालय का नाम 132 क.पी. अकेट एम.पी.सी. भवन
 4. वर्तमान वेतन 18100 + 4100 + 27750 5. नवविध निधि क्रमांक 25507609 6. कर्मचारी संख्या 190470203

उस जिले, उप-सभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पत्ति स्थित है	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका अधिकारी/कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया स्वरीद, पट्टा, बंधक विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जितकी गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा	संपत्ति से वा. कि. आय	अभियुक्त
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
1	2	3	4	5	6	7	8
अजमेर	मकान	-	अजमेर शहर	स्वयं	लोक प्रेम लॉन्ड	नहीं	
-	भूखण्ड	-	-	पट्टा	श्री. राजेश चंद्रकांत	नहीं	
अजमेर (अ.प्र.)	-	-	-	स्वयं	HUF	नहीं	

हस्ताक्षर [Signature]
 नाम श्री. सुभाष शर्मा
 पद वरिष्ठ प.प्र. प्रम.

- * जहां लागू न हो काट दीजिए
- ** ऐसे मामलों में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए
- *** इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं

टिप्पणी—मंडल द्वारा ग्राह्य म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1985 के नियम 19(1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य लंबित के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण दें।